>

Title: Regarding terrorist attack in Srinagar.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष जी, कल श्रीनगर में हुयी एक आतंकवादी घटना में सीआरपीएफ के पांच जवान मारे गए। सुबह अध्यक्ष की पीठ से आपने उनको श्रद्धांजलि दी और पूरा का पूरा सदन उसमें शामिल हुआ। वैसे तो देश का कोई भी एक जवान जब शहीद होता है, तो पूरा देश उसके कारण उद्वेलित भी होता है और दुखी भी होता है। मेरे लिए यह एक व्यक्तिगत क्षति की बात भी बन गयी, क्योंकि उन पांच जवानों में से एक जवान मेरे संसदीय क्षेत्र विदिशा के इछावर विधानसभा क्षेत्र का रहने वाला था। मैं आज रात को जा रही हूं, वित्त मंत्री जी से क्षमा चाहूंगी, क्योंकि मेरी फ्लाइट उसी समय है, जिस समय आपका बजट भाषण का उत्तर होगा, लेकिन मुझे उनके दाह-संस्कार में भाग लेना है, इसलिए मैं आज वहां जा रही हूं। कल उनके दाह-संस्कार में मैं शरीक होऊंगी।

अध्यक्ष जी, जिस समय आज सुबह आप श्रद्धांजलि दिलवा रही थीं, उस समय एक बहुत कष्टदायक दृश्य सत्तापक्ष की तरफ से देखने को मिला। पूरी की पूरी प्रथम पंक्ति खाली थी। प्रधानमंत्री जी का बृहस्पतिवार को राज्य सभा में प्रश्न काल होता है, इसलिए उनकी अनुपस्थिति तो समझ में आती है। लेकिन देश के गृहमंत्री, जो नेता सदन भी हैं, वे भी गायब थे। मुझे नहीं मालूम क्यों। इस तरह का विषय आज स्वभाविक रूप से सदन में उठेगा। यह सरकार को सोचना चाहिए था। यह कोई अस्वाभाविक बात नहीं है। आप भी इसीलिए श्रद्धांजलि लिख कर लाई थीं। यह कोई छोटी घटना नहीं थी। लेकिन, शिंदे जी सदन के नेता और देश के गृहमंत्री भी हैं, वे भी यहां नहीं थे। यूपीए की चेयरपर्सन भी नहीं थीं। संसदीय कार्य मंत्री भी नहीं थे। यानी कि पहली पूरी की पूरी पंक्ति में एक भी सत्ता पक्ष के मंत्री बैठे हुए नहीं थे। इस को देख कर मन में बहुत दुख हुआ कि हमारी संवेदनाओं को क्या हो गया है? अभी भी वे अपने कागज पढ़ रहे हैं। वे नहीं सुन रहे हैं कि मैं क्या कह रही हूं। आप देखिए। ...(व्यवधान)

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SUSHILKUMAR SHINDE): मैं सब सुन रहा हूं। I was collecting all the information on this as I was expecting that this issue will come up today...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : आप श्रद्धांजलि के समय रहते। ...(व्यवधान) अधिकारी डेटा इकट्ठा कर रहे थे, वह आपको दे देते। श्रद्धांजलि के समय आपको रहना चाहिए था। लेकिन अध्यक्ष जी मैं दूसरी बात पर हूं कि हर बार वहां कोई हत्या होगी। कभी पांच मारे जाएंगे तो कभी 15 मारे जाएंगे और हम यहां श्रद्धांजलि दे कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेंगे, क्या? आपको मालूम है कि सतू के अंतराल में एक बहुत ही शर्मनाक और दर्दनाक घटना घटी थी, जब एलओसी के पार आ कर पाकिस्तानी सेना के लोगों ने हमारे सेना के दो जवानों को केवल उनको गोली नहीं मारी थी बल्कि उनका सर भी काट लिया था, और एक का सर ले कर चले गए थे। बिना सर का धड़ शव के साथ शहीद हेमराज का आया था। पहले तो सरकार की ओर से कोई अपेक्षित प्रतिक्रिया आई ही नहीं थी। हॉकी के खिलाड़ियों को वीजा दे दिया गया था। क्रिकेट का न्यौता रद्द नहीं किया गया था। लेकिन, जब इतना जन दबाव बना, इतना जन दबाव बना तो प्रधानमंत्री जी की तरफ से एक बयान आया कि there cannot be business as usual with Pakistan. उस दिन मन को थोड़ा संतोष हुआ। क्योंकि हम उनको बारबार कहते रहे हैं कि जब तक पाकिस्तान अपने यहां के आतंकवादी ठिकाने खत्म नहीं कर देता, हमें उनके साथ कोई वार्ता नहीं करनी चाहिए। ...(व्यवधान) लेकिन, वह वार्ता उस समय चल रही थी और यह भी कहा गया था कि वीजा ऑन एराइवल क्यों खत्म किया जाए। छः-सात दिन तक ऐसी बातें होती रहीं, जैसे कुछ हुआ ही नही। लेकिन, जब हम लोगों की तरफ से थोड़े कठोर बयान आए, देश उद्वेलित हुआ तो प्रधानमंत्री का बयान आया तो उससे थोड़ा संतोष हुआ। लेकिन, चार दिन पहले फिर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अजमेर शरीफ आ गए। हमारे विदेशमंत्री ने उनको भोज दिया। ...(व्यवधान) अध्यक्षा जी, मैं सलाम करती हूं। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : आप सभी बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : उन्हें बोलने दीजिए। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्ष महोदया, मैं यहां खड़े हो कर अजमेर शरीफ के दिवान साहब को सलाम करती हूं। जिन्होंने पूरे हिन्दुस्तान की जनभावनाओं को समझा और उनके आने का विरोध किया और अपना विरोध सार्वजनिक तौर पर दर्ज कराया। लेकिन, सरकार की ओर से उस तरह का विरोध जताने की भी कोई बात नहीं आई। स्वयं विदेश मंत्री गए और उन्होंने भोज दिया। वहां किस तरह का जनआंदोलन हुआ लेकिन सरकार ने उसकी भी परवाह नहीं की। उनके जाने के चार दिन के अंदर यह घटना हो गई। कल बारबार यह बात कही गई कि वे पाकिस्तानी थे। उनके पास से करांची की बनी हुई दवाइयां, उनके बस्ते से निकली हैं। वे क्रिकेट के खिलाड़ी बन कर आएं। पब्लिक स्कूल के खेल के मैदान में जा कर हमारे पांच लोगों को मार गए और आज भी अखबार में है कि सूचना पहले से थी। अगर सूचना पहले से थी तो हम उन सूचनाओं का क्या करते हैं? आज एक जगह फोटो है कि बाद मे पोजिशंस ले रहे हैं। अगर सूचना पहले से थी तो हम उन पांच जवानों की जिंदगी क्यों नहीं बचा सकें? क्यों नहीं एलर्ट हुए? इन सब के बावजूद मांग होती है कि वहां से Armed Forces (Special Powers) Act हटा दिया जाए। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : आप सभी बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुंडे जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : योगी आदित्यनाथ जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : शारिक साहब, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, यह दु:संयोग है कि यह घटना...(व्यवधान) शारिक साहब, आप इतने शाइस्ता व्यक्ति हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : शारिक साहब, बैठ जाइए। यह क्या कर रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing is going on record.

*(Interruptions) â€¦**

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। जब वे बैठते हैं तो आप खड़े हो जाते हैं और आप बैठते हैं तो वे खड़े हो जाते हैं।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, शारिक साहब बहुत ही शाइस्ता व्यक्ति हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बेग साहब, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग क्यों खड़े हो गए हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, मुझे नहीं मालूम कि शारिक साहब एकदम से इतने उद्वेलित क्यों हो गए। वे इतने शाइस्ता व्यक्ति हैं और बहुत संयम से अपनी बात करते हैं। मेरे तो उनसे बहुत अच्छे रिश्ते हैं। किसी एक विषय पर मतभेद हो सकता है। आपके मन में यह होगा कि एएफएसपीए नहीं हटना चाहिए। जब आपको मौका मिले तो आप अपनी बात कहिए और तर्क दीजिए।...(व्यवधान) आप मौका मांग लीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बेग साहब, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : उन्हें यह भी स्वीकार करना चाहिए...(व्यवधान) शारिक साहब, इतने उद्वेलित मत होइए। बैठ जाइए।...(व्यवधान) यह दु:संयोग है कि यह घटना वहीं घटी जहां से एएफएसपीए हटाने की मांग की जा रही है। इसलिए मैंने यह विÂषय उठाया कि जो कहा जा रहा है कि एएफएसपीए हटा दी जाए, यह घटना वहां घटी है।...(व्यवधान) इसलिए मेरा कहना है कि हम केवल भावना में न बहें, जो जमीनी हकीकत है, वह देखें।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप क्या बोल रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing is going on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : : ठीक है, हम उन्हें बैठा रहे हैं, लेकिन आप सब लोग बार-बार खड़े हो रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : वे बैठ गये हैं, इसलिए अब आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : नहीं, आप सब बैठ जाइये। वे बैठ गये हैं इसलिए आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, मुझे इस बात का दुख है कि जिस आतंकवादी घटना के ऊपर आज पूरे सदन को गमगीन होकर बात करनी चाहिए, संजीदगी से बात करनी चाहिए,यहां वे चैलेंज कर रहे हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : यहां वे कह रहे हैं कि हम आपको चैलेंज कर रहे हैं। ...(व्यवधान)

हम आपस में एक-दूसरे को चैलेंज कर रहे हैं। ...(व्यवधान) मेरा आपसे अनुरोध है ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइये और उन्हें अपनी बात समाप्त कर लेने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब हर समय क्यों खड़े हो रहे हैं? सुषमा जी, बोल रही हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : सुषमा जी, बोल रही हैं, इसलिए आप हर समय क्यों खड़े हो रहे हैं। आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बर्क साहब, आप भी बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, मैं आपके माध्यम से अपने दोनों साथियों से कहना चाहूंगी कि आज का दिन एक दूसरे को चैलेंज करने का नहीं है। वह हमें चैलेंज न करें। ...(व्यवधान) आइए, हम सब इकट्ठे होकर पाकिस्तान को चैलेंज करें। ...(व्यवधान) हम इकट्ठे होकर आतंकवादियों को चैलेंज करें और भारतीय संसद से यह स्वर निकले कि आतंकवाद के खिलाफ हम सब एक हैं। ...(व्यवधान) पाकिस्तान के खिलाफ हम सब एक हैं। ...(व्यवधान) अब यह स्वर इस संसद से जाना चाहिए। हम मिलकर पाकिस्तान को चैलेंज करें, आतंकवाद को चैलेंज करें। हम एक-दूसरे को चैलेंज करने में अपनी ऊर्जा व्यर्थ न करें, अपनी एनर्जी व्यर्थ न करें। ...(व्यवधान) आज अगर भारतीय संसद ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइये। सुषमा जी बोल रही हैं, इसलिए आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप इतना ज्यादा क्यों उत्तेजित हो रहे हैं। आप सब इतनी प्रतिक्रिया मत व्यक्त कीजिए। आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : सुषमा जी सक्षम हैं। सुषमा जी अकेले सक्षम हैं। आप सब क्यों खड़े हो जाते हैं?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, अगर ऐसी घटनाओं पर भी हम बंटे हुए दिखेंगे, तो बहुत गलत ध्वनि और बहुत गलत स्वर पाकिस्तान और आतंकवादियों को जायेगा। इसलिए मैं आपसे कहना चाहती हूं कि यह जो कुछ घटा, इसे भूल जाइये। ...(व्यवधान) जो सदन में घटा, उसे भूल जाइये। जो श्रीनगर में घटा, उसे याद रखिए और उस घटना के प्रति पूरे का पूरा सदन एकमत से उसकी पुरजोर भर्त्सना करे। मैं मांग करती हूं कि गृह मंत्री इस पर अपना बयान दें। धन्यवाद। ...(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा (हज़ारीबाग): अध्यक्ष महोदया, मैं भी कुछ कहना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मैं श्री टी.के.एस. इलेंगोवन को बोलने के लिए बुला रही हूं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मंत्री जी थोड़ी देर में स्टेटमैंट देंगे। तब तक हम इलेंगोवन जी को बोलने के लिए बुला रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा: अध्यक्ष महोदया, आप हमें दो मिनट बोलने का समय दीजिए। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : पहले हम उनको बोलने के लिए बुला रहे हैं क्योंकि उनका नोटिस है।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : अध्यक्ष महोदया, आप हमें पहले बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप एसोसियेट कर लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (सारण): अध्यक्ष महोदया, हम भी बोलेंगे। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हम आपको भी बोलने के लिए बुलायेंगे, लेकिन पहले इन्हें बोलने दीजिए, क्योंकि हमने उनका नाम बुलाया है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हम आपको बुला लेंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद: हम भी इस विषय पर बोलेंगे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : इलेंगोवन जी, आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : आप बीजेपी के एजेंड़े पर बहस करा रही हैं, इश्यू पर नहीं करवा रही हैं। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया :

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी,

श्रीमती दर्शना जरदोश,

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल,

श्री ए.टी.नाना पाटील,

श्रीमती पूनम वेलजीभाई जाट,

श्री जितेन्द्र सिंह बुन्देला,

श्रीमती ज्योति धुर्वे,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री हंसराज गं. अहीर,

श्री रमेन डेका,

श्री वीरेन्द्र कश्यप,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

प्रो. राम शंकर,

श्रीमती रमा देवी,

श्री हरिभाऊ जावले,

कुमारी सरोज पाण्डेय,

श्री चंदूलाल साहू,

श्री देवजी एम. पटेल,

डॉ. संजय जायसवाल

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय,

श्री वीरेन्द्र कुमार,

श्री रामसिंह राठवा,

श्री सोहन पोटाई,

श्री मनसुखभाई डी. वसावा,

श्री रमेश विश्वनाथन काट्टी,

श्री उदय सिंह

*m30 श्री शिवराम गौडा,

श्री शिवकुमार उदासी,

श्री शिवराज भैया,

श्री नामा नागेश्वर राव,

श्री कीर्ति आजाद और

श्री अजय कुमार अपने आपको श्रीमती सुषमा स्वराज जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।